मासिक रिपोर्ट

मसाले

अक्टूबर 2023

smc
moneywise. be wise.

हल्दी

घरेलू मांग में कमी के कारण सितंबर-23 में हल्दी की कीमतों में लगातार दूसरे महीने गिरावट दर्ज की गई। सितंबर-23 के दौरान सुस्त निर्यात मांग के मद्देनजर स्टॉकिस्टों ने अपना स्टॉक बेच दिया। सितंबर-23 में हल्दी वायदा की कीमतें 18076 के रिकॉर्ड उच्च स्तर से लगभग 30% गिरकर 12772 पर आ गई। कीमतें ज्यादातर मौसमी स्थिति के अनुरूप बढ़ीं, जो अगस्त-सितंबर के दौरान कीमतों में तेज गिरावट का संकेत देती हैं। भारत के दक्षिणी क्षेत्र में मौसम की स्थिति में सुधार के साथ बुआई की प्रगति में सुधार से बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ा। कीमतों में गिरावट को देखते हुए ऐसा लगता है कि बाजार ने कम रकबे की रिपोर्ट को नजरअंदाज कर दिया है और स्टॉकिस्टों ने अपने स्टॉक को बाजार में जारी करना शुरू कर दिया है।

सितंबर, 2023 में हल्दी की मासिक आवक 7.3 हजार टन दर्ज की गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 13.3 हजार टन की आवक हुई थी। वर्ष 2023 में अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल आवक 232 हजार टन दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष यह 206.8 हजार टन थी। आगे चलकर आने वाले महीनों में आवक कम रहने की संभावना है क्योंकि नई आवक फरवरी 2020 के बाद ही शुरू होगी, जब तक नई फसल बाजार में आएगी।

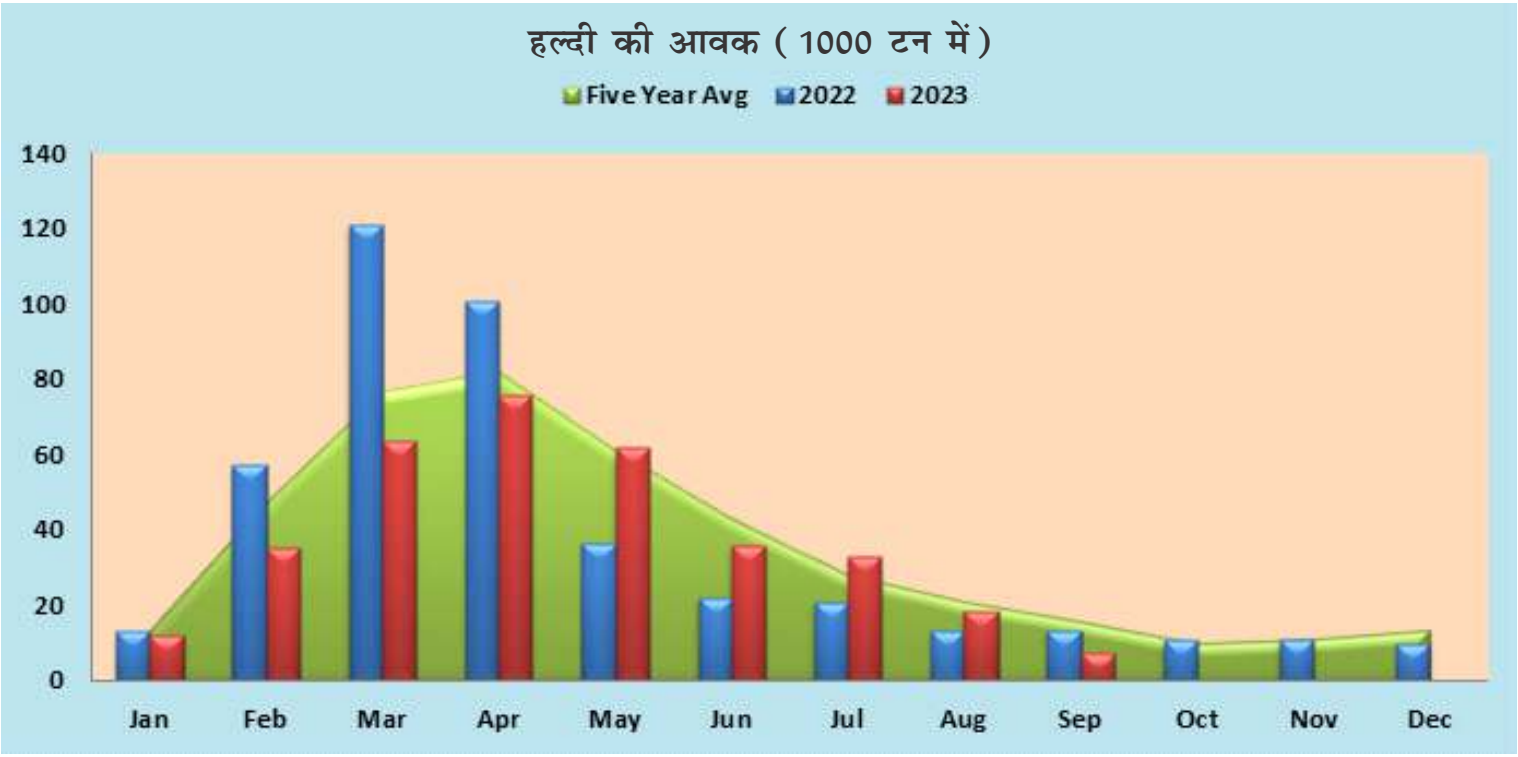

स्रोत: एगमार्कनेट

बांग्लादेश, मोरक्को, संयुक्त अरब अमीरात, चीन और अमेरिका की ओर से बढ़ती मांग के कारण वर्ष 2023 में हल्दी के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, क्योंकि इन पांच देशों ने भारत से कुल हल्दी निर्यात का लगभग 54% हिस्सा लिया, जहां बांग्लादेश भारतीय हल्दी का प्रमुख खरीदार रहा है। भारत ने जुलाई-23 में पिछले वर्ष के 12.8 हजार टन की तुलना में लगभग 13.8 हजार टन का निर्यात किया। अप्रैल-जुलाई-23 के दौरान हल्दी का कुल निर्यात साल-दर-साल 15% अधिक 71.6 हजार टन बताया गया। हल्दी की निर्यात मौसमी स्थिति से पता चलता है कि अक्टूबर-दिसंबर के दौरान निर्यात की गति स्थिर रहती है क्योंकि जनवरी में तेलंगाना में ताजा आवक शुरू होने से पहले प्रमुख खरीदार उन्हें थोक सौदे से दूर रखते हैं, जो बाद में अप्रैल तक आने वाले महीनों में तेज हो जाता है। हल्दी की कीमतों की प्रतिस्पर्धात्मकता को ध्यान में रखते हुए ऐसा लगता है कि आने वाले महीनों में निर्यात कम रहने की संभावना है जिससे कीमतों पर दबाव पड़ेगा।

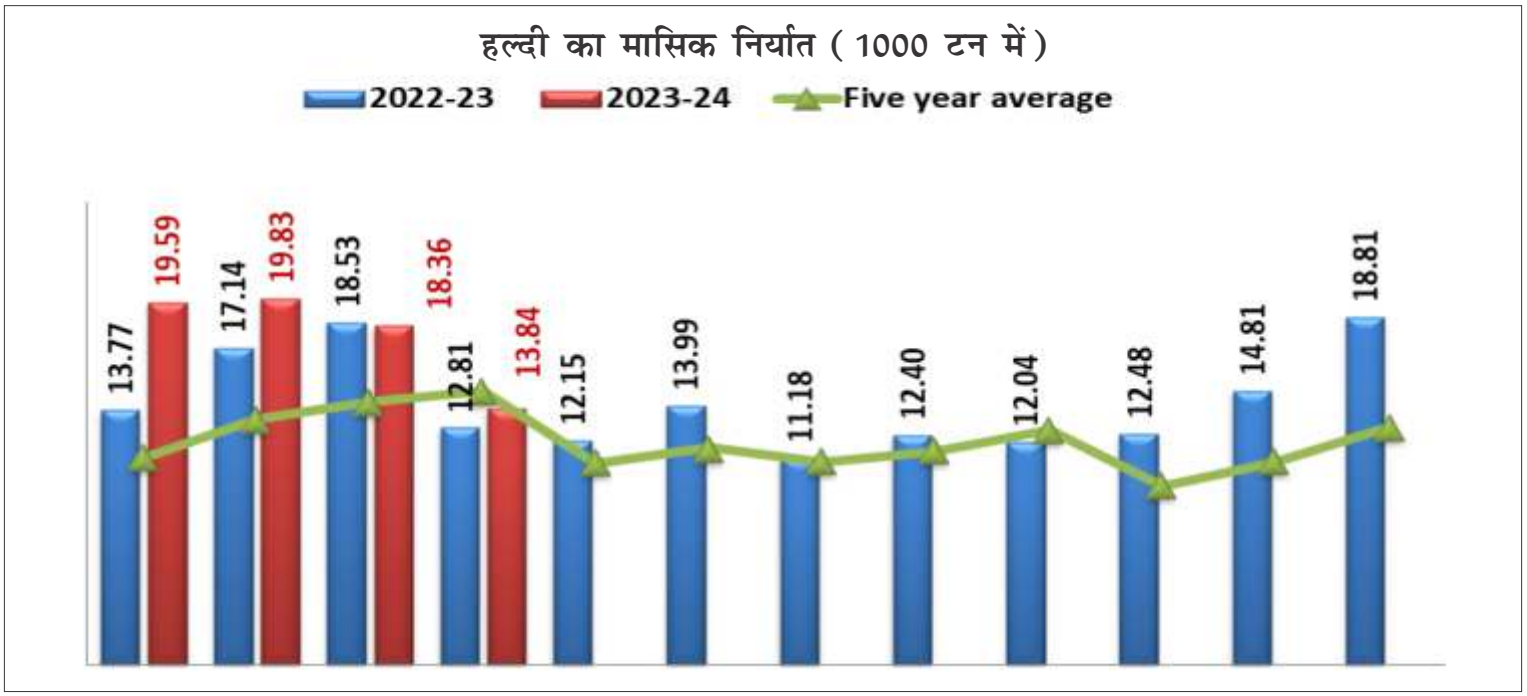

इसके अलावा बाजार की नजर फसल की प्रगति पर रहेगी क्योंकि फसल विकास चरण में है। फसल की स्थिति संतोषजनक है और यह जनवरी से मार्च के दौरान कटाई के लिए तैयार हो जाएगी। अगेती किस्में 7-8 महीने में, मध्यम किस्में 8-9 महीने में और देर से आने वाली किस्में 9 महीने में पक जाती हैं। बाजार वर्ष 2023-24 (अप्रैल-मार्च) में हल्दी का उत्पादन 11.61 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि कुल बुआई क्षेत्र 3.23 लाख हेक्टेयर बताया गया है। बाजार वर्ष 2024-24 के लिए बुआई पूरी हो चुकी है और कुल बुआई क्षेत्र साल-दर-साल 11% कम होकर 2.87 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है।

स्रोत: कृषि मंत्रालय।

आपूर्ति और मांग के फंडामेंटल को ध्यान में रखते हुए, ऐसा लगता है कि कम स्टॉक के अनुमान के कारण हल्दी में गिरावट सीमित होने की संभावना है क्योंकि कम उत्पादन के कारण वर्ष 2023-24 में हल्दी का अंतिम स्टॉक साल-दर-साल 20% घटकर 2.91 लाख टन होने की उम्मीद है।

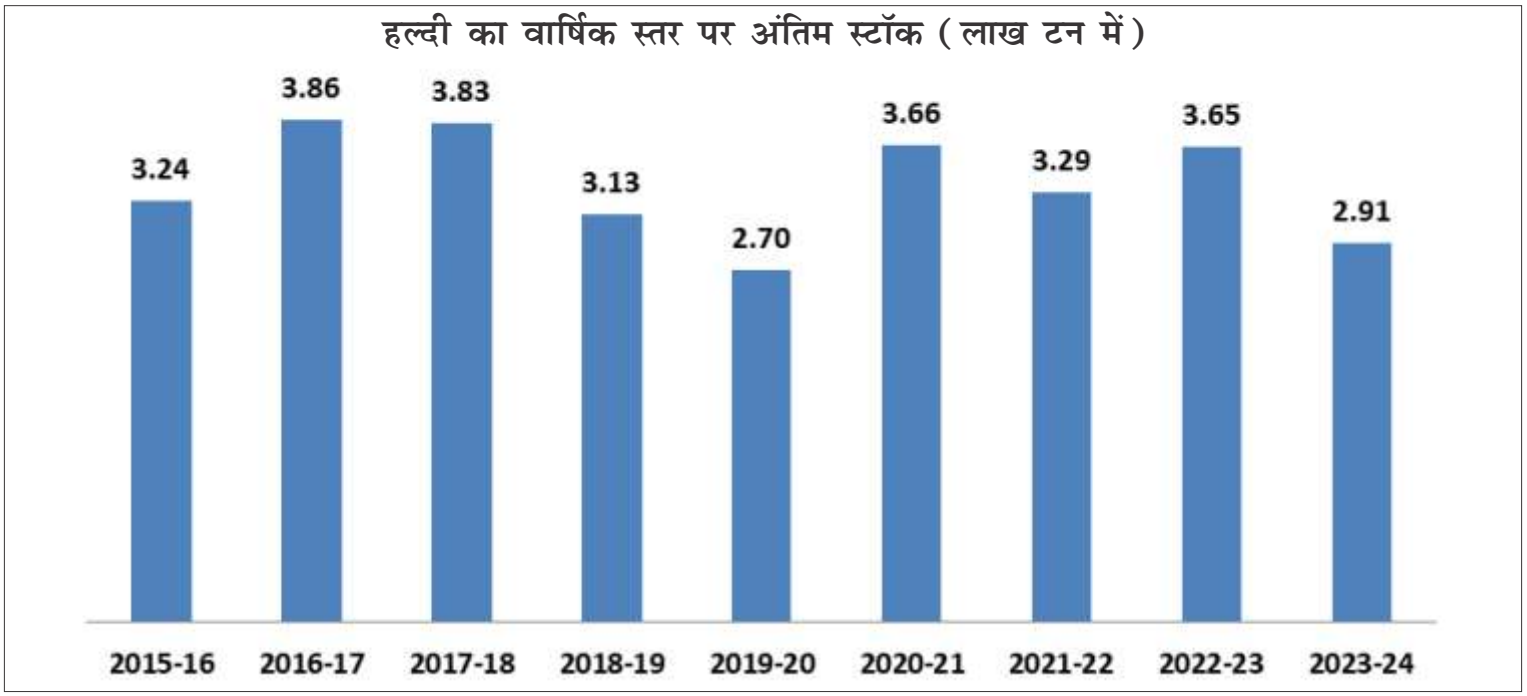

तकनीकी चार्ट और उपरोक्त फंडामेंटल को ध्यान में रखते हुए, हल्दी की कीमतें आने वाले हफ्तों में 12000/11500 के सपोर्ट तक फिसलने की उम्मीद है जबकि 16000 पर अहम रेजिस्टेंस रह सकता है।

हल्दी का मासिक चार्ट:

जीरा

आपूर्ति की कमी को लेकर मौजूदा चिंताओं के कारण सितंबर-23 में जीरा वायदा की कीमतों में तेजी का रूख फिर से शुरू हो गया। सितंबर-23 की पहली छमाही के दौरान त्योहारी खरीदारी में वृद्धि और गुणवत्तापूर्ण उपज की सीमित उपलब्धता ने कीमतों को बढ़ने में मदद की। त्योहारी मांग को देखते हुए जीरा वायदा की कीमतें सितंबर 2023 में माह-दर-माह 20% बढ़कर 65900 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। लेकिन, रिकॉर्ड स्तर पर मांग कम होने के बाद सितंबर-23 की दूसरी छमाही में कीमतों ने अपना अधिकांश बढ़त गवां दिया। निर्यात में कमी की रिपोर्टों ने भी बाजार के सेंटीमेंट पर प्रतिकूल प्रभाव डाला जिससे कीमतें नीचे आ गई। जीरा की कीमतें 65900 के रिकॉर्ड स्तर को छूने के बाद, सितंबर 2023 के अंत तक 59865 तक लुढ़क गई, लेकिन पिछले महीने 59865 के बंद स्तर से माह-दर-माह 9% अधिक रहीं। घरेलू बाजार में आपूर्ति की कमी पर चिंताओं को देखते हुए कीमतों में मौसमी बदलाव से थोड़ा विचलन देखा गया। आपूर्ति घटने से जीरा की हाजिर कीमतें काफी बढ़ गईं। जनवरी-23-सितंबर-23 की समय अवधि के दौरान भारत भर की प्रमुख एपीएमसी मंडियों में लगभग 181 हजार टन जीरा की आवक हुई, जो पिछले वर्ष के 205 हजार टन की तुलना में 12% कम है।

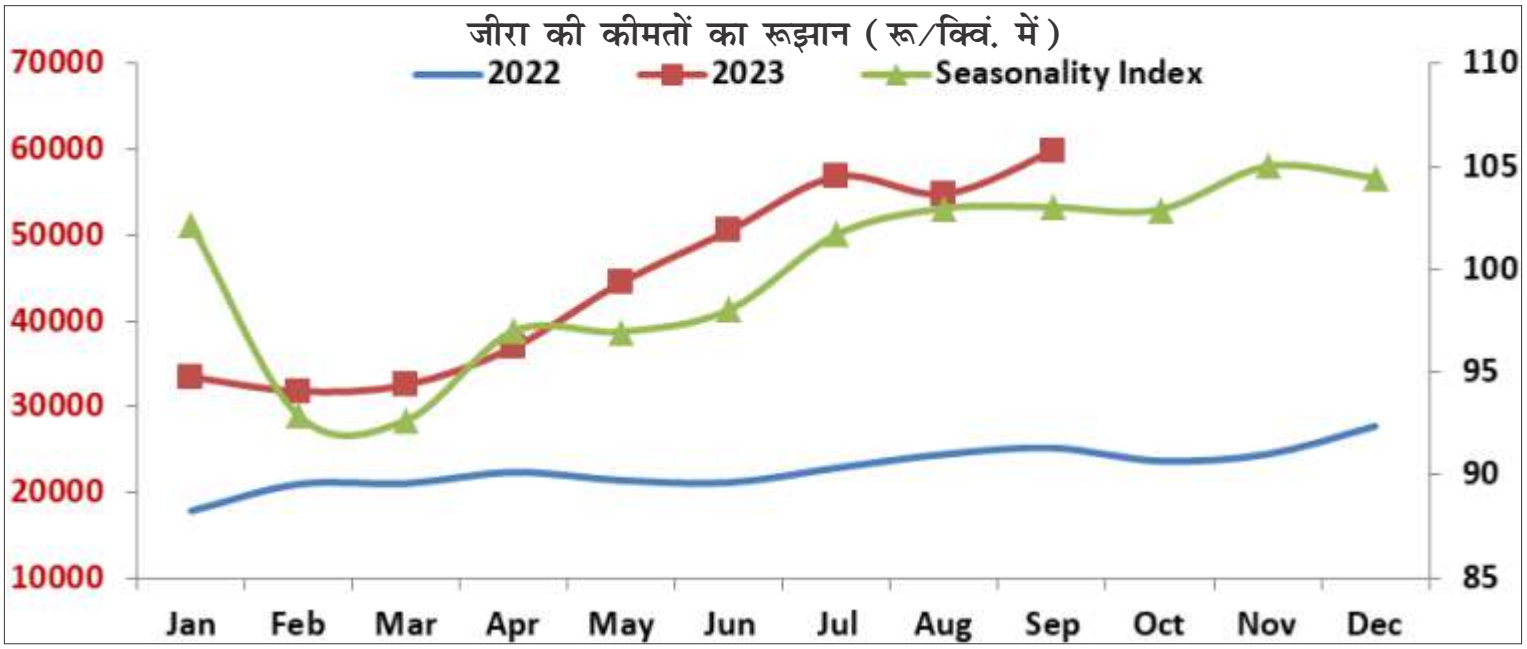

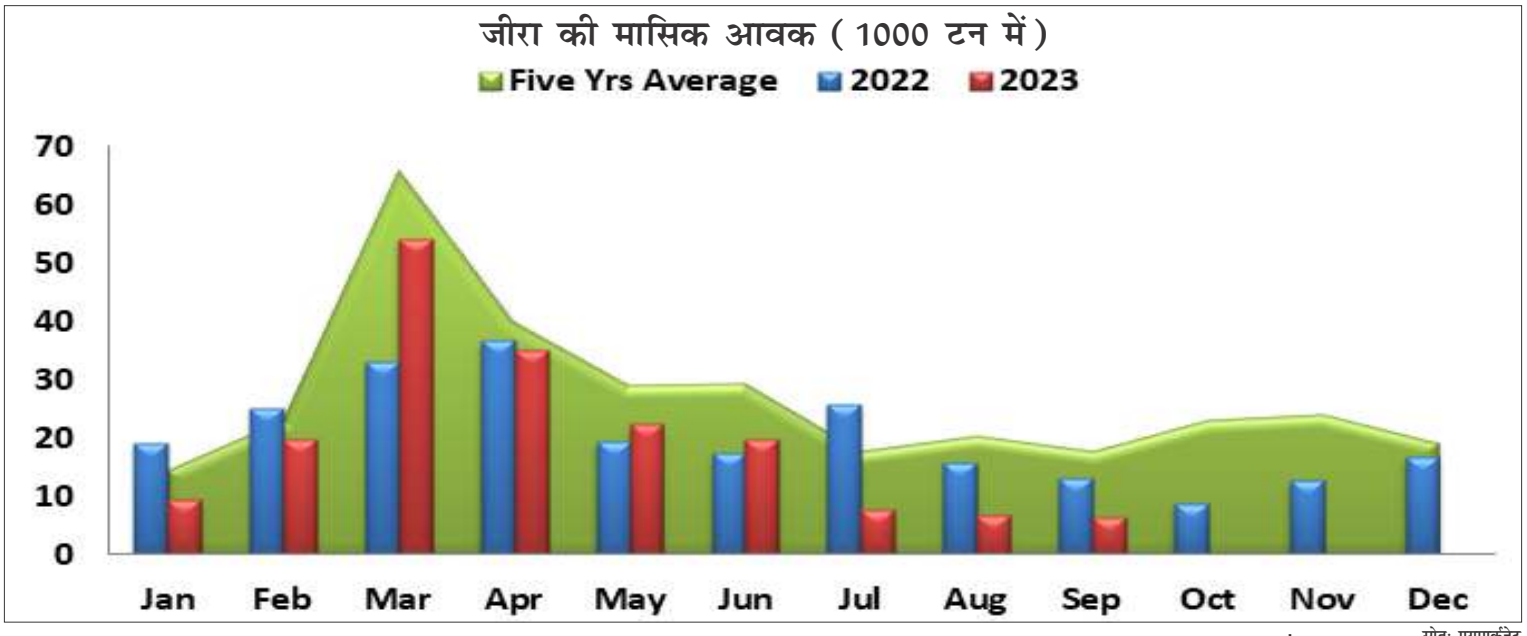

स्रोतः एगमार्कनेट

smc moneywise. be wise.

जीरा

सितंबरश-23 में जीरा निर्यात में गिरावट हुई क्योंकि वैश्विक बाजार में कीमतें तेज बढ़त के बाद अप्रतिस्पर्धी हो गई। भारतीय जीरे की वैश्विक मांग में गिरावट हुई है क्योंकि अधिकांश खरीदारों ने भारत में जीरे की ऊंची कीमतों के कारण सीरिया और तुर्की जैसे अन्य स्थानों को प्राथमिकता दी है। भारत ने जुलाई-23 में पिछले वर्ष के 19 हजार टन की तुलना में लगभग 7.1 हजार टन जीरा निर्यात किया। अप्रैल-23-जुलाई-23 के दौरान कुल जीरा निर्यात पिछले वर्ष के 63.3 हजार टन के मुकाबले 57.5 हजार टन बताया गया। मौसमी रूप से आगामी महीनों में निर्यात में कमी रहने की संभावना है।

आगामी माह में जीरा की कीमतें सीमित दायरे में रहने की संभावना है। मुख्य ध्यान बुआई की प्रगति पर होगा क्योंकि बुआई अक्टूबर में शुरू होगी। गुणवत्तापूर्ण उपज की सीमित उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए मांग अधिक रहेगी, जिससे कीमतों को समर्थन मिलेगा। लेकिन कमजोर निर्यात निर्यातकों के लिए प्रमुख चिंता का विषय होगा जिससे कीमतों में बढ़त सीमित रह सकती है। **आने वाले हफ्तों में जीरा की कीमतों के 52000-66000 के बीच रहने की उम्मीद है।**

जीरा का मासिक चार्ट:

धनिया

बाजार में पर्याप्त उपलब्धता के बाद सितंबर में धनिया की कीमतों में गिरावट हुई। प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर बढ़ी हुई आपूर्ति के मुकाबले कमजोर घरेलू मांग ने बाजार के सेंटीमेंट पर असर डाला। वायदा बाजार में 8068 के उच्चतम स्तर को छूने के बाद, कीमतों में तेजी से गिरावट हुई क्योंकि स्टॉकिस्टों ने बेहतर मूल्य प्राप्ति पर अपने स्टॉक को बेचना शुरू कर दिया। भौतिक बाजार में भारी बिक्री के कारण, धनिया की कीमतें 8068 के उच्चतम स्तर से अब तक लगभग 15% लुढ़क गई हैं। पिछले वर्ष के 14.97 हजार टन की तुलना में सितंबर-23 के दौरान प्रमुख एपीएमसी मंडियों में लगभग 16.6 हजार टन धनिया की आवक हुई। अप्रैल-सितंबर 23 की समयावधि के दौरान प्रमुख एपीएमसी मंडियों में लगभग 349 हजार टन धनिया की आवक दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 138 हजार टन थी।

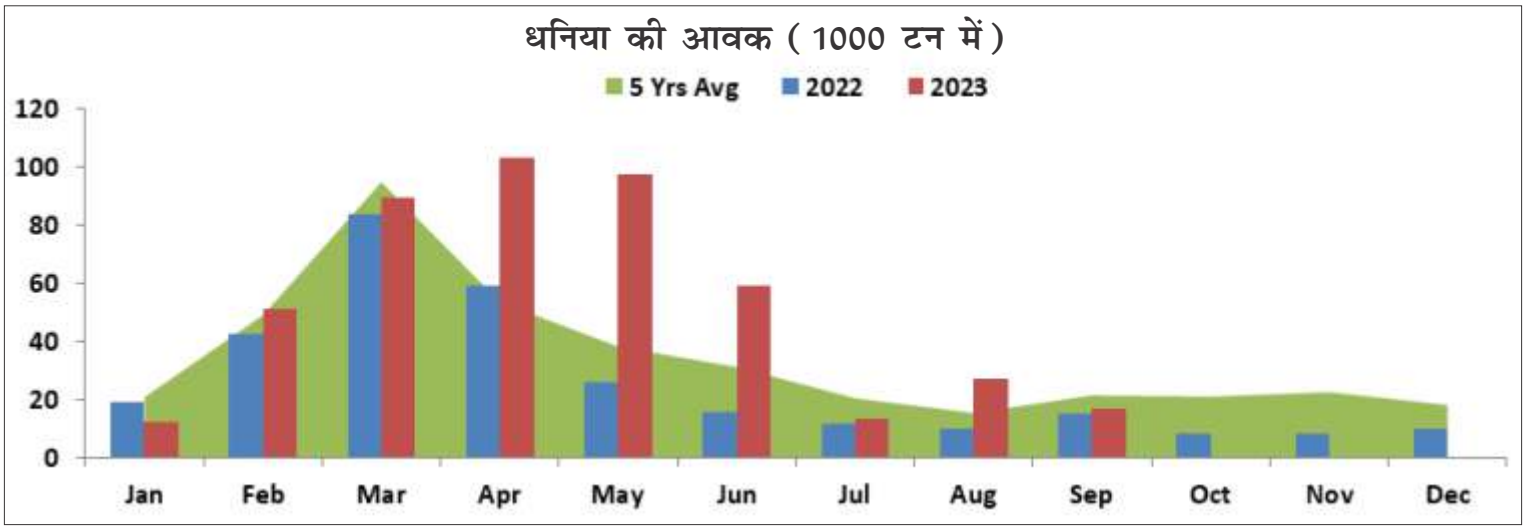

स्रोतः एगमार्कनेट

अन्य उत्पादक देशों से आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण वर्ष 2023 में धनिया निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वैश्विक स्तर प्र आपूर्ति कम होने से भारत से कुल निर्यात को बढ़ावा मिला, जिससे घरेलू कीमतें बढ़ने में मदद मिली। भारत ने जुलाई-23 में पिछले वर्ष के 2.6 हजार टन की तुलना में लगभग 9.1 हजार टन धनिया का निर्यात किया। वर्ष 2023 में चीन, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात भारतीय धनिये के प्रमुख खरीदार रहे हैं। भारत ने पिछले वर्ष के 11.4 हजार टन के मुकाबले अप्रैल 2023-जुलाई 23 के दौरान लगभग 55.8 हजार टन का निर्यात किया है।

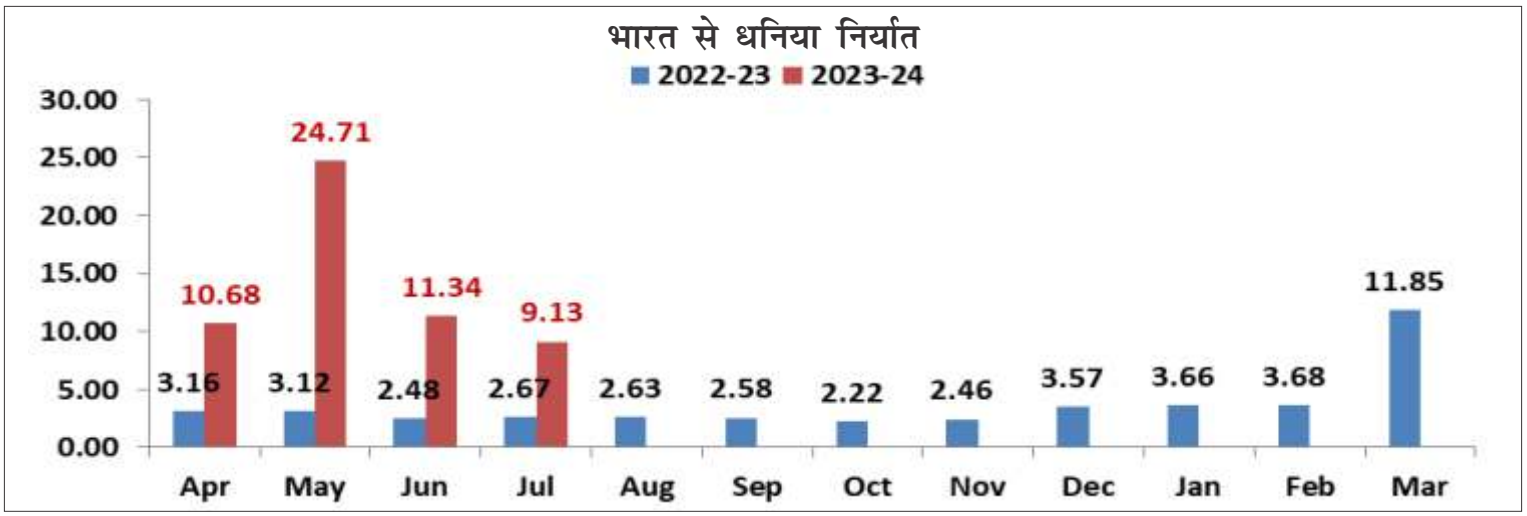

आगे चलकर धनिया की कीमतों के बुआई की प्रगति पर निर्भर रहने की संभावना है क्योंकि नए सीजन के लिए बुआई अक्टूबर से शुरू होने की संभावना है। बाजार में अधिक स्टॉक के कारण धनिया का रकबा कम होने का अनुमान है। भारत ने वर्ष 2023-24 में साल-दर-साल 15% अधिक वृद्धि के साथ लगभग 6.39 लाख हेक्टेयर में धनिया की बुआई की है। अधिक बुआई क्षेत्र के कारण, बाजार वर्ष 2023-24 में धनिया का कुल उत्पादन पिछले वर्ष के 7.35 लाख टन की तुलना में बढ़कर 8.47 लाख टन हो गया।

smc moneywise. be wise.

धनिया

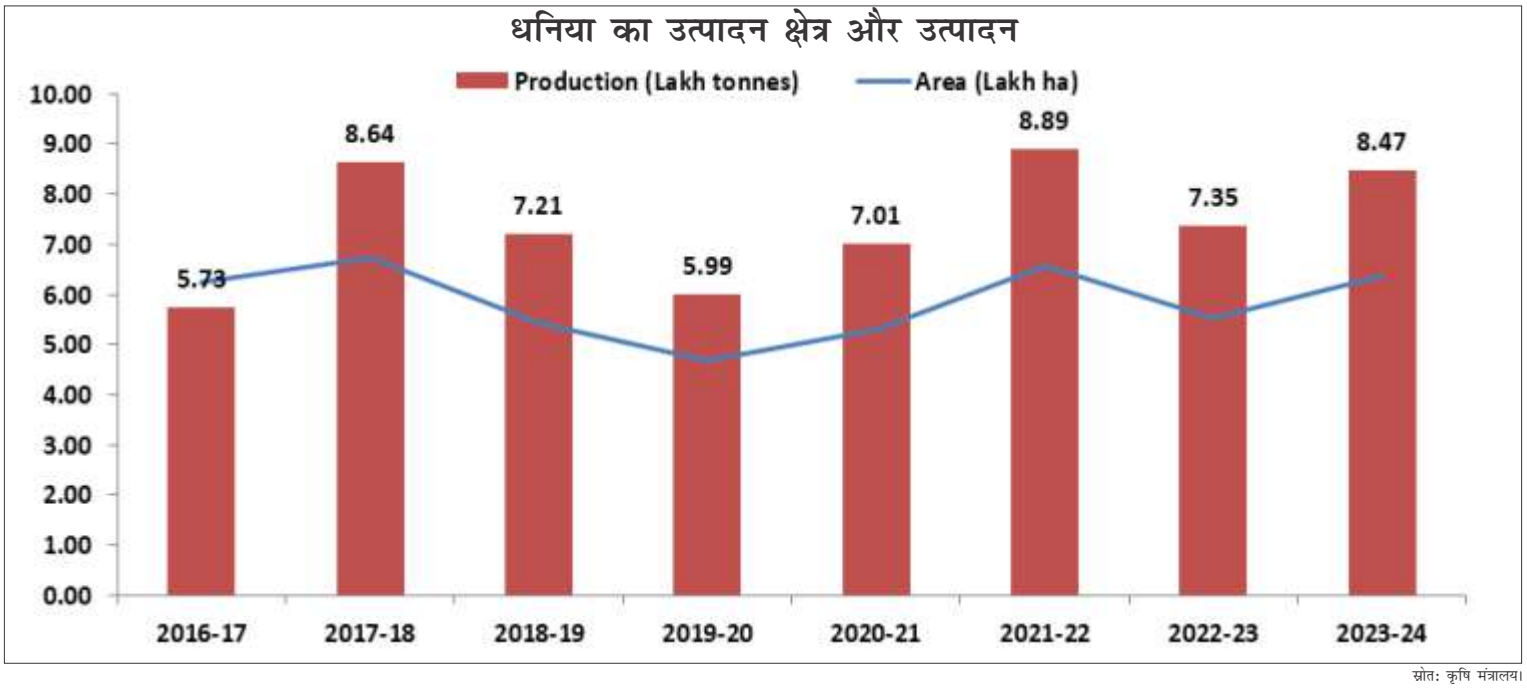

स्रोत: कृषि मंत्रालय।

आने वाले हफ्तों में धनिया की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण आपूर्ति की संभावनाएं कम होना है। आने वाले महीनों में आवक कम होने की उम्मीद है, जिससे कीमतों में मजबूती आएगी। इसके अलावा, अक्टूबर में मौसम शुष्क रहने का आईएमडी का पूर्वानुमान भी बुआई के लिए चिंताएं बढ़ा सकता है जिससे कीमतों को मदद मिल सकती है। **आने वाले हफ्तों में धनिया की कीमतों के 6100-7600 के दायरे में रहने की उम्मीद है।**

धनिया का मासिक चार्ट:

वंदना भारती	एवीपी कमोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	**vandanabharti@smcindiaonline.com**
रवि पाण्डेय	सीनियर रिसर्च एनॉलिस्ट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 674	**ravi16@smcindiaonline.com**
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	**shivanand@smcindiaonline.com**

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं। यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।